चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	26-01-25	4	1-2

मशरूम उत्पादन तकनीक का 50 प्रशिक्षणार्थियों ने लिया भाग

मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण के समापन पर विशेषज्ञ प्रतिभागियों के साथ। संस्थान

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय दो प्रशिक्षण संपन्न हुए। प्रशिक्षण में 50 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज के मार्गदर्शन में विभिन्न विषयों पर पूरा वर्ष किसानों, बेरोजगार युवाओं इत्यादि के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं। इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है और भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित, युवक व युवतियां इसे स्व-रोजगार के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकते हैं। इस प्रशिक्षण दौरान डॉ. डीके शर्मा, डॉ. विकास कंबोज, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. अमोघवर्षा, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. पवित्रा मोर्य व डॉ. भूपेंद्र सिंह ने मशरूम उत्पादन से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	26-01-25	4	7-8

हकृवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

हिसार, 25 जनवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय दो प्रशिक्षण संपन्न हुए। इन प्रशिक्षणों में 50 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा व संयोजक डॉ सतीश कुमार मेहता ने बताया कि मशरूम की विभिन्न प्रजातियां उगाकर पूरा वर्ष इसका उत्पादन किया जा सकता है। देश तथा प्रदेश सरकार द्वारा भी किसानों तथा बेरोजगार युवाओं को मशरूम उत्पादन को एक व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	25.01.25		

हकृवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय दो प्रशिक्षण संपन्न हुए। इन प्रशिक्षणों में 50 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है और भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित, युवक व युवतियाँ इसे स्व-रोजगार के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकते हैं। मशरूम उत्पादन के लिए कृषि अवशेषों का इस्तेमाल किया जाता है जिससे खाद्य सुरक्षा की सुनिश्चिता के साथ-साथ वायु प्रदूषण से भी निजात मिलेगी। उन्होंने बताया कि खासकर भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित युवक व युवतियां इसे स्वरोजगार के रूप में अपना सकते है तथा सारा वर्ष भी मशरूम की विभिन्न प्रजातियों जिनमें सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर या ढींगरी, मिल्की या दूधिया मशरूम, धान के पुवाल की मशरूम इत्यादि उगाकर सारा साल मौसम के हिसाब से इसका उत्पादन किया जा सकता है।

प्रशिक्षण के संयोजक डॉ सतीश कुमार मेहता ने बताया कि मशरूम की विभिन्न प्रजातियाँ उगाकर पूरा वर्ष इसका उत्पादन किया जा सकता है। देश तथा प्रदेश सरकार द्वारा भी किसानों तथा बेरोजगार युवाओं को मशरूम उत्पादन को एक व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण दौरान डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. विकास कंबोज, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. अमोघवर्षा, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. पवित्रा मोर्य, व डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने व्याख्यान दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	26-01-25	11	2-5

कम लागत में मशरूम व्यवसाय अपनाएं

- हकृवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय दो प्रशिक्षण संपन्न हुए। इन प्रशिक्षणों में 50 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

संस्थान में विभिन्न विषयों पर पूरा वर्ष किसानों, बेरोजगार युवाओं आदि के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने शनिवार को बताया कि मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है।

हिसार। मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण के समापन अवसर पर विशेषज्ञ प्रतिभागियों के साथ। फोटो: हरिभूमि

यही नहीं भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित, युवक व युवतियां इसे स्व-रोजगार के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकते हैं। मशरूम उत्पादन के लिए कृषि अवशेषों का इस्तेमाल किया जाता है जिससे खाद्य सुरक्षा की सुनिश्चिता के साथ-साथ वायु प्रदूषण से भी निजात मिलेगी। उन्होंने बताया कि खासकर भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित युवक व युवतियां इसे स्वरोजगार के रूप में अपना सकते है तथा सारा वर्ष भी मशरूम की विभिन्न प्रजातियों जिनमें सफ़ेद बटन मशरूम, ओयस्टर या ढींगरी, मिल्की या दूधिया मशरूम, धान के पुवाल की मशरूम इत्यादि उगाकर सारा साल मौसम के हिसाब से इसका उत्पादन किया जा सकता है।

इन्होंने किया संबोधित

इस प्रशिक्षण के दौरान संयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता, डॉ. डीके शर्मा, डॉ. विकास कंबोज, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. अमोघवर्षा, डॉ. संदीप माकर, डॉ. पवित्रा मौर्य व डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने मशरूम उत्पादन से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए।